हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

11 महिलाओं की भागीदारी से साकार होगी विकसित ...

12 ओवरलोड डंपरों को बंद करवाने की मांग को ...

GD GOENKA PUBLIC SCHOOL
Bhiwani
NURTURING EVERY CHILD'S UNIQUE DREAMS AND POTENTIAL
Address: 5th Km Milestone, Rohtak-Bhiwani Road, Bhiwani
Contact: 9912082000
9912084000

Your Child Can Be Anything. Let it be.

निकाय चुनाव : बवानीखेड़ा में 80.6 प्रतिशत तो लोहारू में 79 फीसदी मतदाताओं ने डाले वोट

चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस, पूरी जांच पड़ताल के बाद मतदाता पहुंचे मतदान केंद्रों पर

बवानीखेड़ा। मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाता विधायक कपूर वाल्मीकि व उनकी पत्नी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

रविवार को जबरदस्त सुरक्षा के बीच बवानीखेड़ा, लोहारू व सिवानी नगरपालिकाओं के चेयरमैन व पार्षदों का चुनाव सम्पन हुआ। बवानीखेड़ा नपा के चेयरमैन पद के लिए 80.6 प्रतिशत(16864 में से 13595), लोहारू में 79 प्रतिशत (11075 में से 8749)तथा सिवानी में 85.9 फीसदी(15355 में से 13185) मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। हालांकि यह आंकड़ा शाम पौने सात बजे तक का है। इसके बढ़ने की उम्मीद है। दूसरी तरफ मतदान केंद्रों के आसपास चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस की पीसीआर व अन्य वाहनों से गली मोहल्लों में पुलिस गश्त करती नजर आई। मतदान केंद्रों पर पहुंचने वाले हर मतदाता की पहचान जांचने के बाद ही उनको मतदान केंद्र के अंदर प्रवेश मिला। पीठासीन अधिकारियों ने भी पूरी जांच पड़ताल के बाद ही उनका वोट डलवाया।

यह प्रक्रिया बवानीखेड़ा, लोहारू व सिवानी तीनों जगह रही। सुबह आठ बजे से लेकर शाम छह बजे तक शांतिपूर्वक तरीके से मतदान होता रहा। इस दरम्यान चुनाव आयोग की तरफ से नियुक्त सुपरवाइजर व अन्य अधिकारी मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते नजर आए। इस दौरान पुलिस के अधिकारी आला अधिकारियों से चुनाव को लेकर जानकारी सांझा करते रहे। उल्लेखनीय है कि बवानीखेड़ा नपा चुनाव में 16864, सिवानी में 15355 तथा लोहारू में 11075 मतदाता है। चुनाव प्रक्रिया शाम तक शांतिपूर्वक चलती रही।

चप्पे-चप्पे पर खाकी की तैनाती

बवानीखेड़ा ,लोहारू तथा सिवानी में नपा के चेयरमैन व पार्षदों के चुनाव के लिए रविवार को मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। मतदान केंद्रों पर चुनावी डयूटी देने वाले कर्मचारियों के साथ शनिवार शाम को ही पुलिस पहुंच गए थे। मतदान शुरू होने से पहले ही सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस बल तैनात हो गया। पुलिस की पीसीआर व बाइक राइडर भी लगातार मतदान केंद्रों के बाहर चक्कर लगाते नजर आए। सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। उससे पहले पुलिस ने चुनावी एजेंटों की जांच पड़ताल के बाद ही उनको अंदर जाने दिया। उनको मतदान केंद्रों से बाहर बैठा दिया। पुलिस ने हर मतदाता का पहचान पत्र देखने के बाद मतदान केंद्र के अंदर जाने दिया। इस दौरान पुलिस ने किसी भी मतदान केंद्र के नजदीक उम्मीदवारों के समर्थकों की टेबलें नहीं लगने दी। पूरे दिन पुलिस की नजर मतदान केंद्रों के बाहर घुम रहे समर्थकों पर टिकी रही। इस दौरान पुलिस के आला अधिकारी भी मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते नजर आए।

मतदान के प्रति जबरदस्त उत्साह

तीनों जगहों पर मतदान के प्रति लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। पार्षदों की बजाए चेयरमैन के चुनाव के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखा गया। मतदान को लेकर लोग सुबह सात बजे ही मतदान केंद्र पर पहुंचने लगे। शुरू में तो मतदान की गति धीमी रही,लेकिन नौ बजने के बाद एकदम मतदान ने गति पकड़नी आरंभ कर दी। मतदाताओं की संख्या ज्यादा पहुंचने लगी तो पुलिस ने लंबी लाइन लगवा दी।

रोकना पड़ा मतदान

बवानीखेड़ा के बिजली बोर्ड के साथ स्थित स्कूल के एक मतदान केंद्र पर रखी ईवीएम में गड़बड़ी आ गई। उस वक्त लाइन में करीब आठ से दस मतदाता लगे हुए थे। मशीन में गड़बड़ी को दुरुस्त करने में करीब पांच से सात मिनट का वक्त लगा। अन्य मतदान केंद्रों पर सही ढंग से मतदान होता रहा। दूसरी तरफ इसी वार्ड पर एक मतदाता कुरुक्षेत्र से पहुंचकर अपना वोट डालने के लिए कस्बे में पहुंचा। वह घर से वोट डालने के लिए निकला और मतदान केंद्र पर पहुंचा। वहां पर पहुंचा और लिस्ट में जांच करवाई तो उसका वोट पहले ही डल चुका था।

सड़कों पर विरानी-सी छाई रही

बवानीखेड़ा व लोहारू में चुनाव के दौरान गलियों में रौनक बनी रही। लोग मतदान केंद्रों पर पैदल ही पहुंचे। जिस वजह से गलियों व लोगों का आवाजाही बनी रही। पर कस्बे की सड़कों पर फोरव्हीलर व अन्य वाहन पूरी तरह से गायब रहे। केवल लोग दोपहिया वाहनों से ही आते व जाते रहे। चूंकि पुलिस ने मतदान के दौरान अनेक जगहों पर नाकाबंदी की हुई थी। हालांकि बवानीखेड़ा व लोहारू के मुख्य मार्गों से भारी वाहनों का आवागमन बना रहा। पर हलके वाहनों को कस्बे के अंदर मतदान केंद्रों तक नहीं जाने दिया।

'साइलेंट वोटर' बदलेंगे हारजीत का 'गणित' वोट डाला , घर की राह पकड़ी

भिवानी। भले ही मतदाता अपने-अपने उम्मीदवारों के जीतने के दावें कर रहे हो और वे अपने समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में वोटिंग भी करते है,लेकिन नपा के चेयरमैन की हारजीत की चॉबी साइलेंट वोटरों के हाथ में है। साइलेंट वोटर बिना किसी उम्मीदवार का पक्ष का प्रचार किए मन माफिक प्रत्याशी को वोट करते है। इस तरह के वोटर सुनते सभी उम्मीदवारों की है,लेकिन वोट हमेशा जीत में ही डालने का प्रयास करते है। ऐसा ही कुछ अहसास बवानीखेड़ा व लोहारू नपा के चुनाव में हुआ। जो मतदाता जिस उम्मीदवार के साथ जुड़े थे। वे उस प्रत्याशी के पक्ष में खुल कर बोल रहे थे,लेकिन साइलेंट वोटर वोट डालने के बाद अपने घर की राही पकड़ रहे है। वे वोट किसके पक्ष में किया। इस बारे में तनिक भी अहसास नहीं होने दे रहे। जिस उम्मीदवार की तरफ ज्यादा साइलेंट वोटरों का रूझान होगा,वहीं उम्मीदवार सफल हो पाएगा।

भीतर घात बिगाड़ सकता है जीत का समीकरण : बड़े चुनाव ही नहीं छोटे चुनावों में भी भीतरघात का भय बना है। हालांकि बवानीखेड़ा में ही भाजपा ने अपने चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार उतारा है,लेकिन अन्य उम्मीदवारों में जातिय समीकरण या परिवारों के भीतरघात का असर पड़ सकता है। क्योंकि बवानीखेड़ा में ब्रहामणों के अलावा पंजाबी व राजपूत समाज के अच्छे वोटर है।

लोहारू नपा अध्यक्ष पद के 17 और 13 वार्डों के 36 पार्षदों की किस्मत ईवीएम में बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

- वार्ड नं. 2 में सर्वाधिक 88 .83 फीसदी मतदान हुआ

रविवार को प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था के बीच लोहारू नगरपालिका के प्रधान और 13 वार्डों के पार्षद पद के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए। देर सांय तक सभी 14 वार्डों में 78.73 फीसदी मतदान दर्ज किया गया जबकि वार्ड न. दो में सर्वाधिक 88.83 फीसदी मतदान हुआ। शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार सुबह 9 बजे लोहारू में 11077 मतदाताओं में 9.72 मतदाताओं ने मत का इस्तेमाल किया। सुबह 10 बजे तक 15.35 फीसदी, दोपहर 11 बजे तक 24.59 फीसदी, 12 बजे तक 32.59 फीसदी, दोपहर एक बजे तक 41.21 फीसदी मतदान, 2 बजे तक 49.91 फीसदी मतदान, तीन बजे तक 58.92 फीसदी मतदान, 4 बजे तक 65.94 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। सांय 5 बजे तक 73.82 फीसदी मतदान दर्ज किया तथा सांय 6 बजे तक 79 फीसदी मतदान दर्ज किया। निर्वाचन अधिकारी मनोज दलाल ने सुबह सभी बूथों का निरीक्षण किया तथा मतदान अधिकारियों व उम्मीदवारों के एजेंट को आवश्यक हिदायतें दी। उन्होंने शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न होने पर उम्मीदवारों और मतदाताओं को बधाई दी।

वोटिंग प्रतिशत

शहर के वार्ड नं. एक में 85.95 फीसदी, वार्ड नं. दो में 88.83 फीसदी, वार्ड नं. तीन में 88 फीसदी, वार्ड नं. चार में निर्विरोध पार्षद चुने जाने के कारण यहां केवल प्रधान पद के लिए मतदान किया गया तथा 78.64 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। वार्ड पांच में 77.59 फीसदी, वार्ड छह में 76.47 फीसदी, वार्ड सात में 75.91 फीसदी, वार्ड न. आठ में 78.07 फीसदी, वार्ड 9 में 72.74 फीसदी, वार्ड 10 में 86.76 फीसदी, वार्ड 11 में 80.97 फीसदी, वार्ड 12 में 71.63 फीसदी, वार्ड में 13 में 69.94 फीसदी, वार्ड 14 में 85.56 फीसदी मतदान हुआ

ये थे चुनाव मैदान में

नगरपालिका अध्यक्ष पद रामभगत सोलंकी, पवन कुमार, राजकुमार, प्रदीप कुमार बंटी, प्रदीप सैनी, सुरेश सिंह, देवी सिंह सोनी, कमल किशोर, महेश गांधी, सुभाष पुत्र ताराचंद, रजत खुराना, संजय खंडेलवाल, सुभाष चंद्र पुत्र बहादुर सैनी, मंजीत, रामसिंह, महेंद्र सिंह, रामप्रकाश चुनाव मैदान में थे। वार्ड न. एक से ममता, सरोज कुमारी, पूजा, वार्ड 2 से सुनील सोलंकी व रमन, वार्ड 3 से सुरेंद्र कुमार, राजेश कुमार सैनी, वार्ड 4 से केवल महेश गांधी ने निर्विरोध पार्षद चुने गए। वार्ड 5 से किरण कुमारी, संजू कुमारी तथा वार्ड . 6 से प्रीति, पूजा, मोना देवी आदि मैदान में थी।

युवक को 412 ग्राम गांजा व 9.40 ग्राम हैरोइन के साथ किया गिरफ्तार

भिवानी। एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ ईशरवाल की टीमं ने गांव बैराण से एक आरोपी को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एंटी व्हीकल थैफ्ट स्टाफ ईशरवाल के सहायक उप निरीक्षक मनजीत अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी ओबरा चौक मौजूद थे। जो पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति गांव बैराण की तरफ कच्चे रास्ते से ओबरा आ रहा है जिसके पास मादक पदार्थ है पुलिस टीम के द्वारा सूचना की महत्वता को देखते हुए बताए गए पर रेड करके एक व्यक्ति को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुनील कुमार पुत्र रामकुमार निवासी बैराण के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से 412 ग्राम गांजा व 9.40 ग्राम हैरोइन बरामद की गई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, आज रहेगी सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

दादरी जिला प्रशासन और पुलिस हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षा को लेकर अलर्ट हो गई है। रविवार को छुट्टी के दिन डीएसपी ने पुलिस कर्मचारियों के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और नकल रहित परीक्षा के लिए इंतजामों का जायजा लिया। वहीं थाना प्रभारियों को ड्यूटी संबंधित पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 1वीं और 12वीं की परीक्षा चल रही हैं। 10वीं की गणित और 12वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा हो चुकी है। शुक्रवार को 10वीं की परीक्षा में नूह और मेवात में पेपर आउट होने की खबर मिलने के बाद सरकार ने पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की थी। जिसका असर अब दादरी में भी देखने को मिला है। रविवार को पुलिस अधिकारियों ने मिसरी, संवाड, झींझर, अचीना, बेरला, चंदवास , चंदेनी, सहित कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में दीवारों को ऊंचाई, खिड़की जंगले का जायजा लिया। डीएसपी ने केंद्रों अधीक्षकों को निर्देश दिए।

10वीं और 12वीं का एक एक पेपर हो चुका है। नकल का भी की मामला सामने नहीं आया है। लेकिन पुलिस दूसरे जिलों से मिल रहे नकल के मामलों के बाद अलर्ट हो गई है। कल से पुलिस की सख्ती देखने को मिलेगी। परीक्षा केंद्र के समीप किसी को भी नहीं आने दिया जाएगा।

भिवानी। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- छुट्टी के दिन डीएसपी ने केंद्रों का गेट खोलकर किया निरीक्षण
- शुक्रवार को 10वीं की परीक्षा में नूह और मेवात में पेपर आउट होने की खबर मिलने के बाद सरकार ने पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की थी

37 परीक्षा केंद्र बनाए

दादरी जिले में 10वीं और 12वीं के लिए 37 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। केंद्रों पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर केंद्रों का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण में एरिया का डीएसपी और थाना प्रभारी शामिल थे। कल से परीक्षा केंदों पर पेश पुलिस बल बढ़ाया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 4 से 5 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। किसी भी सूरत में नकल नहीं होने दी जाएगी।

कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल, जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

दुनिया आवागमन का खेल, कोई आता है तो कोई जाता: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उस जन्मदिन की क्या खुशी मनानी जो जीवन को घटा रहा है। जीवन तो वो भला जिसमे प्रभु भक्ति का चिंतन और सुमिरन हो। जिसमें नेक काम हो। परोपकार और परमार्थ हो। अगर सदगुण है तो जीवन बेशक थोड़ा हो परन्तु अनमोल है। यह सत्संग वचन परम संत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने भिवानी के रोहतक रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाया। हुजूर महाराज अपने 78वें जन्मदिवस पर संगत को सत्संग वचन परोस रहे थे। उल्लेखनीय है कि 2 मार्च को राधास्वामी सत्संग दिनोद के हुजूर कंवर साहेब महाराज का जन्मदिवस होता है। संगत इस दिन को बड़े हर्षोउल्लास से मनाती है। इस अवसर पर साध संगत ने पहले चरण में हुजूर महाराज का जन्मदिवस मनाया और दूसरे चरण में गुरु महाराज ने सत्संग फरमाया। सत्संग फरमाते हुए हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि दुनिया आवागमन का खेल है,आते हैं जाते हैं। हर रोज़ एक दिन कम करते जाते हैं और खुशी भी मनाते हैं। हैरानी की बात है कि दुनियादारी की और चीजो की बढ़ोतरी पर हमें खुशी मिलती है परंतु जीवन के एक एक दिन कम होने पर भी हम खुशी मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सन्तो का जन्म और मरण एक जैसा ही है। ये जन्म संतो की संगत के लिए मिला था फिर दुर्जन के संग से इसे क्यों जाया कर रहे हो। दिन प्रतिदिन हमारी सांस घंट रही है इसलिए अपने अगत की चिंता करो। उन्होंने कहा कि जीवन पल पल शिक्षा देता है। मुझे भी मिली। कई अवसर ऐसे आये जब मैं भटक सकता था परन्तु मेरे गुरु ने मुझे कभी भटकने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जो उठता है उसे प्रकृति की सारी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है वरना एक जगह पड़े रहो। जिसने सब कुछ त्याग दिया वो दाता बन जाता है।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब महाराज। फोटो : हरिभूमि

दीमक की भांति ईर्ष्या द्वेष मन व दिमाग को करता है खोखला: हमारे मन में भरी पड़ी ईर्ष्या द्वेष उस दीमक की भांति हैं जो पौधे को अंदर से खोखला कर रही है। जैसे दीमक लगने के बाद कुछ दिन तक पौधा हरा भरा दिखता फिर अचानक गिर जाता है वैसे मन भी ईर्ष्या चुगली द्वेष अंदर रखकर कुछ दिन तो खुशहाल दिखता है परंतु अचानक गिर जाता है। हुजूर ने कहा कि जैसे पौधों के पत्तो पर पानी देने भर से उनकी ताजगी जिंदा नहीं रहती। उसके लिए हम पौधों की जड़ में पानी देना होगा। इसी प्रकार हम दुनियादारी की भक्ति करके मन को नहीं हेर सकते उसके लिए तो हमें भक्ति को व्यवहार में उतारनी पड़ेगी। गुरु महाराज ने कहा कि अंतर को सुधारने के लिए हमे पहले बाहरी क्रियाओ को सुधारना पड़ेगा। परमात्मा के विदेह रूप को प्रेम करना चाहते हो तो पहले सतगुरु के देह रूप को प्रेम करना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन को आदर्श स्वरूप बनाना चाहते हो तो आंखों से बुरा मत देखो,कानो से बुरा मत सुनो और मुंह से बुरा मत बोलो।

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

प तिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

चरखी दादरी। दादरी पब्लिक स्कूल परिसर में विद्यार्थियो को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों व कर्मियों ने बच्चों को स्वच्छता के बारे में समझाया। सफाई निरीक्षक राजेश कुमार व स्वच्छता कार्यक्षमता विशेषज्ञ सीमा कुमारी ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन में अहम है, जहां साफ सफाई होगी, वहां पॉजिटिविटी आएगी और अच्छा महसूस करेंगे। अगर हमारे घर या पड़ोस में गंदगी रहेगी तो बीमारियों फैलने का खतरा रहता है।

शिविर में 53 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र द्वारा शाखा भिवानी द्वारा रक्तदान स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन मनत अस्पताल के चिकित्सकों ने डॉ. सुनीता दुहन की देखरेख में किया। शिविर में 53 लोगों के बीपी, सुगर, बुखार व अन्य बीमारियों की जांच की तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की। डॉ. सुनीता दुहन ने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉ. दुहन ने कहा कि जब हमारा शरीर स्वस्थ होगा तभी हमारा मन स्वस्थ होगा और हम अपने परिवार की तरफ ध्यान दे सकेंगे।

महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं : किरण चौधरी

तोशाम। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार प्रयासरत है। महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है,आने वाला समय महिलाओं का है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने देश और विदेश में अपना नाम कमाया है। सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसी लाल ने करीब दो दशक पहले स्व सुरेंद्र सिंह के देहांत के बाद श्रुति चौधरी के सिर पर पगड़ी रखकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया था, वो आज कारगर सिद्ध हो रहा है। लड़कियां शिक्षा, खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल लेकर आती हैं, तो उनका सम्मान किया जा रहा है।

खाटू धाम के लिए श्रीश्याम भक्तों का जत्था रवाना

भिवानी। दिनोद गेट स्थित श्रीश्याम व हनुमान जी मंदिर से भिवानी की नई अनाजमंडी से जुड़े श्रीसांवरिया प्रेम मंडल द्वारा भिवानी से खाटू धाम के लिए आज मोर छड़ी व ध्वज लेकर पैदल यात्रा शुरू की, जिसका शुभारंभ जोगीवाला मन्दिर के महंत वेदनाथ महाराज व महंत चरणदास महाराज ने खाटू श्रीश्याम का निशान देकर राजस्थान खाटू धाम के लिए रवाना किया। गाजे बाजे व खाटू श्याम मोर छड़ी ,ध्वज व घोड़ी बग्गी पर खाटू श्याम की शोभायात्रा छोटी काशी में निकाली और नई अनाज मंडी पहुंची, जिसका मंडीवासियों ने श्रीश्याम भक्तों का स्वागत किया।

भिवानी में स्पोर्ट्स कॉलेज खोलने को लेकर केंद्रीय शिक्षामंत्री से की जाएगी बात

महिलाओं की भागीदारी से साकार होगी विकसित भारत की संकल्पना: सांसद

हमारी बेटियों में प्रतिभाओं की कमी नहीं, महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी : किरण चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। मुख्यतिथि सांसद किरण चौधरी को स्मृति चिन्ह भेंट करती कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी व अन्य।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि महिलाओं की पूर्ण भागीदारी से ही विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज एवं राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। सांसद रविवार को चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में आयोजित देवी अहिल्याबाई होलकर सम्मान समारोह को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त एवं अनेक सकारात्मक कदम उठा रही है, जिसके अब सार्थक परिणाम आने लगे हैं और आने वाले समय में देश में एक तिहाई आरक्षण के साथ महिलाएं नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों पर हमें पूर्णतया गर्व है, महिलाएं आज विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी हैं और अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर का महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है, हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत भिवानी में स्पोर्ट्स कॉलेज खोलने की मांग को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से बात करेंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय की सात दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए बहुत शान एवं गर्व की बात है कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल के नाम पर ये विश्वविद्यालय स्थापित करवाने में उनका और तत्कालीन सांसद श्रुति चौधरी का बड़ा योगदान है। उन्होंने विश्वास एवं उम्मीद जताई कि ये विश्वविद्यालय स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल के सपनों को साकार करेगा। कुलपति प्रोफेसर धर्माणी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। बतौर विशिष्ट अतिथि भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश छिकारा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में आयोजित देवी अहिल्याबाई होलकर सम्मान समारोह के सफल एवं सुंदर आयोजन के लिए कुलपति धर्माणी एवं कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा सहित समस्त विवि परिवार बधाई का पात्र है। कार्यक्रम में बतौर वक्ता राष्ट्रीय सेविका समिति की महासचिव प्रोफेसर अंजली जैन ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर 300 वर्ष पूर्व महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए थे, जिनको हम आज पूर्ण रूप में देख सकते हैं।

खेल प्रतिभाएं सम्मानित

कार्यक्रम में अतिथियों ने फुटबॉल, कबड्डी, हैंडबॉल, एथलेटिक, डिस्कस थ्रो, बॉक्सिंग, कराटे, वूशु, कुश्ती व जुडो आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खेल प्रतिभाओं, प्रशिक्षकों, टीम मैनेजर तथा खेल प्रतिभाओं की माताओं को वीर माता जीजाबाई सम्मान के तहत नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विभिन्न खेल प्रतिभाओं को आठ लाख तरेसठ हजार रुपये की राशि के पुरस्कार वितरित किए। मंच संचालन डॉ. स्नेहलता ने किया। इस अवसर पर पूर्व रजिस्ट्रार प्रोफेसर आत्मप्रकाश शर्मा, रामप्रताप शर्मा, हरिसिंह, अमरसिंह, ललिता गुप्ता, संजीव कुमार, एसके कौशिक, डॉ सुरेश मलिक, नितिन बंसल, मयंक किंगर आदि मौजूद थे।

भिवानी। एकत्रित लोगों को संबोधित करते सांसद धर्मबीर सिंह। फोटो: हरिभूमि

तोशाम में बनी है ट्रिपल इंजन की सरकार: सांसद

- 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का पीएम ने लिया है संकल्प,अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश और लिया फीडबैक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी महेन्द्रगढ़ लोक सभा के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि तोशाम में वास्तव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनी है। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश में सरकारों द्वारा योजनाओं का पूरा लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए विकसित पारदर्शी तंत्र किया गया है। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह रविवार को पीडब्लूडी रैस्ट हाऊस में लोगों के रूबरू हो कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से केंद्र और प्रदेश में सरकारों के बजट के लिए सुझाव भी सांझे किए।

उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के खाते में आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली के जरिये सहायता राशि हस्तांतरित की जा रही है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का पीएम नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है। जिसको आम आदमी की भागीदारी के साथ पूरा करना है। सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में पारदर्शी तंत्र विकसित करके यह सुनिश्चित किया है कि पात्र लोगों तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचे। उन्होंने उपस्थित लोगों को आह्वान करते हुए कहा कि वे पेयजल कनेक्शन पर टोंटी जरूर लगाए। उन्होंने कहा कि अपने आसपास सफाई रखना, महिलाओं की सुरक्षा रखना तथा माँ-बाप की सेवा करना हम सभी का धर्म है।

योजनाओं का लाभ उठाएं

वहीं नागरिक पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना का लाभ उठाएं। सांसद ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना के तहत दो किलोवाट तक सोलर कनैक्शन के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति को कुल लागत एक लाख 30 हजार रुपए में से 70 हजार रुपए केंद्र सरकार तथा 60 हजार रुपए राज्य सरकार द्वारा अनुदान राशि दी जा रही है। आवेदक को सोलर प्लेट लगवाने के लिए लगभग 2500 रुपये की राशि देनी होती है।

ग्रामीणों को गीता की पुस्तकें दीं

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्रीमद्भागवत गीता जीवन में सच्चाई व अच्छाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। श्रीमद्भागवत गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जिसके उपदेशों को यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अपना ले तो सभ्य एवं संस्कारवान समाज की स्थापना की जा सकती है। गीता के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा के नेतृत्व में श्रीमद्भागतव गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर जागरूकता नुक्कड़ सभाएं कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रविवार को गांव हसान में जागरूकता नुक्कड़ सभा आयोजित कर गीता के महत्व से ग्रामीणों को अवगत करवाया। ग्रामीणों को गीता की पुस्तकें भी भेंट की। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान के संचालक महेंद्र सिंह गोदारा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि मनुष्यों को मनुष्य जीवन की महत्ता समझकर सामान्य पशुओं की भांति आचरण नहीं करना चाहिए। गीता सनातन धर्म का आदि एवं अमुल्य व अतुल्य ग्रंथ है, सनातन धर्म किसी सांप्रदायिक धर्म पद्धति का सूचक नहीं है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य मनफूल जटासरा, होशियार सिंह, रामकेश धायल, फौजी राम स्वरूप, सतीश, धनसिंह बीर सिंह, चंद्रभान, सज्जन शमशेर, सोमवीर, बलवंत, वेदप्रकाश, उमेदसिंह, सुनील, अनिल, कृष्ण पंच, जंगबीर आदि मौजूद रहे।

रोबोटिक सर्जरी लाएगी बड़े बदलाव: ऊषा किरण

- भिवानी में तीन दिवसीय सर्जरी वर्कशॉप का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

दुंबई से भिवानी पहुंची अंतरराष्ट्रीय लेप्रोस्कोपिक सर्जन डा.उषा किरण ने भिवानी के भारद्वाज मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में तीन दिवसीय एडवांस गायनी लेप्रोस्कोपिक वर्कशॉप के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत की और बताया कि आने वाले समय में रोबोटिक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रयोग से सर्जरी कार्य बहुत ही आसान तथा पूर्णयता दक्षता के साथ होंगे तथा इस प्रकार की सर्जरी में कम से कम चीरा लगेगा तथा कम समय में ही ऑपरेशन के बाद मरीज रिकवर होंगे। इस अवसर पर डा.शिवशंकर भारद्वाज ,डा.कमला भारद्वाज , डा.स्वाति भारद्वाज व डा.सीमा भारद्वाज भी मौजूद थे।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत करती डॉ. ऊषा किरण। फोटो: हरिभूमि

इस मौके पर वरिष्ठ सर्जन डा.उषा किरण ने बताया कि महिलाओं में बच्चेदानी, रसौली, ब्रेस्ट कैंसर व सर्वाइकल कैंसर जैसी बीमारियों से बचने के लिए समय रहते अपनी नियमित जांच करवानी चाहिए। उन्होंने बताया कि हमें किसी भी बीमारी की गंभीरता पर किए जाने वाले खर्च की बजाए बीमारी की रोकथाम पर खर्च करना चाहिए। यह एक आसान व सस्ता तरीका है। बीमारियों से बचने के लिए रोकथाम की जानकारी अधिक से अधिक देने पर होने वाला खर्च परिणाम भले ही देर से लाता है परन्तु चिकित्सीय क्षेत्र में रोकथाम पर होने वाला खर्च बीमारी से होने वाले खर्च से बेहतर विकल्प है।

ऑपरेशन करने पहुंची

गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेप्रोस्कोपी सर्जन डा ऊषा किरण समय-समय पर विदेश से आकर भारत के दूरदराज क्षेत्रों लेह, कारगिल में जरूरतमंदों को चैरिटी आधार पर कैंप लगाकर आप्रेशन करती रहीं हैं। वे इन दिनों प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के बाद भिवानी में चैरिटी ऑपरेशन करने व वर्कशॉप में भाग लेने के लिए पहुंची थी। डॉ. उषा किरण एक विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञ और लेप्रोस्कोपिक सर्जन हैं और यूएई की सबसे प्रभावशाली डॉक्टरों में से एक हैं। वह यूएई में निशान रहित सर्जरी करने वाली पहली डॉक्टर हैं। उन्हें यूएई में मरीजों द्वारा सबसे अधिक समीक्षा की जाने वाली डॉक्टर के रूप में भी मान्यता दी गई है।

निःस्वार्थ भाव से कार्य करें स्वयंसेवक: डॉ. संजय

- सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में एनएसएस ईकाई-2 द्वारा शिविर का आयोजन करवाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

एनएसएस स्वयंसेवक मानवता के कल्याण के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करें व स्वयंसेवक अपने आप पर विश्वास रखकर आगे बढ़े, ये बात सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में एनएसएस ईकाई-2 द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कही। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक शिविर में की जाने वाली हर गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमो बढ चढ़कर भागीदारी करें।

शिविर की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा रानी ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर के दूसरे दिन विकसित भारत, सामान्य व्यवहार और व्यावहारिक बुद्धि व डिजिटल जागरूकता विषय पर अनेक प्रतियोगिताएं करवाई। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. वंदना वत्स व डॉ. कमलेश ने निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीबीए प्रथम की आरती केडिया, द्वितीय एमए फाइनल की शिल्पा व तृतीय एमएससी फाइनल की शालू रही। काव्य पाठ में प्रथम स्थान पर एमएससी फाइनल की शालू, द्वितीय बीए द्वितीय वर्ष की सुरभि व तृतीय बीसीए द्वितीय वर्ष के केशव ने प्राप्त किया। विस्तार व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. अंजू राजन ने स्वयंसेवकों को सामान्य व्यवहार व व्यावहारिक बुद्धि के बारे में जागरूक किया। डॉ. सुभाष जांगड़ा और डॉ. सत्येंद्र तंवर ने स्वयंसेवकों को आपातस्थिति में बेसिक लाइफ सपोर्ट, सीपीआर ,हार्ट अटैक, लकवा,बेहोश होना, एकदम गिर जाना आदि के बारे में जानकारी दी।

डॉ. सुरुचि गुप्ता ने शिविर में पधारें सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

रेखा की ताजपोशी पर जश्न

- भिवानी में दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनने पर खुशी व्यक्त की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी:

भिवानी। रेखा गुप्ता को दिल्ली की सीएम बनाए जाने पर खुशी मनाते हुए।

दिल्ली में अग्रवाल समाज की पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में नवनिर्वाचित रेखा गुप्ता के सम्मान में भिवानी में अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दादरी गेट न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित सभागार में हुआ, जिसमें भिवानी के विधायक घनश्याम सराफ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की संयोजक अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की प्रदेश अध्यक्ष सीमा बंसल रही। इस मौके पर बीजेपी नेत्री बबीता तंवर, पूर्व प्रधान अग्रवाल सभा विजय टैनी, अजय सराफ, अग्रवाल सभा प्रधान सुनील सराफ, स्नेहा बंसल, सुमन बंसल, रेखा अग्रवाल, कांता सोनी, पूजा शर्मा, शालू अरोड़ा, गोमती शर्मा, मंजू अग्रवाल, अखिल मित्तल, राजकुमार गोयल, सरपंच सचिन सेन, अंशुल लोहिया, मुकेश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, दर्शन टावर, बाली पहलवान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में शामिल हुए। विधायक घनश्याम सर्राफ और सीमा बंसल ने बीजेपी नेता नीतिन गडकरी, जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।

निशान पदयात्रा रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। निशान पदयात्रा में शामिल श्रीश्याम भक्त। फोटो: हरिभूमि

श्रीश्याम गोसेवा आनंद मण्डल द्वारा आयोजित विशाल निशान पदयात्रा विधिवत रूप से विद्यानगर से खाटू श्रीश्याम धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यात्रा की शुरुआत भजन-कीर्तन और श्याम जयकारों के साथ हुई, जहां श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति गीतों पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। श्रद्धालुओं के चेहरे पर श्याम प्रेम एवं भक्ति का भाव स्पष्ट झलक रहा था। मण्डल के प्रधान सुनील चौहान और वरिष्ठ सदस्य मुकेश भक्त ने बताया कि पदयात्रा हर वर्ष आस्था, प्रेम और सेवा के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भंडारे की व्यवस्था की गई है, जहां भक्तों के लिए भोजन, फलाहार और जलपान उपलब्ध रहेगा। यात्रा के दौरान श्याम भजनों की गूंज से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने कहा कि श्याम बाबा की कृपा से यह यात्रा एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव बन जाती है, जहां हर कदम भक्तिभाव से भरा होता है। भक्ति, श्रद्धा और सेवा के इस दिव्य संगम में भाग लेने के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुड़े।

अब नहरों के अंतिम छोर पर पानी पहुंचने की उम्मीद जगी

पानी का स्तर सुधरा, सुंदर व मिताथल में छोड़ा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। यमुना में पानी बढने के बाद नहरों में पहुंचा पानी का दृश्य।

मौसम में गरमाहट आने व पहाड़ी इलाके में बारिश होने के बाद रविवार को सुंदर ग्रुप की नहरों में पानी का स्तर सुधरा है। हालांकि अभी भी मांग के अनुरूप पानी नहीं बह रहा है,लेकिन पीछे से 1550 क्यूसेक पानी मिलने के बाद सिंचाई विभाग ने जुई फीडर के साथ सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी के अलावा मिताथल फीडर में पानी छोड़ दिया है। अब नहरों के अंतिम छोर पर पानी पहुंचने की उम्मीद जगी है। फिलहाल नहरों पर पड़ने वाले अधिकांश माइनरों के टेल निल है। पर पानी बढने की वजह से पानी पहुंचने की उम्मीद जरूर जग गई है।

जानकारी के अनुसार सिंचाई विभाग ने जिले की नहरों के लिए सवा 22 सौ क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी,लेकिन यमुना में पानी कम होने की वजह से सवा 22 सौ क्यूसेक की जगह मात्र 341 क्यूसेक ही पानी मिला था। जिसके चलते सिंचाई विभाग ने सुंदर व मिताथल फीडर को बंद कर दिया था और जुई फीडर में पानी छोडा था। ताकि इस पर पड़ने वाले जलघरों तक पानी पहुंचाया जा सके। दो दिन पहले उतरी भारत में हलकी बारिश हुई है। इसके साथ साथ पहाड़ी इलाके में बर्फबारी के साथ बारिश हुई है। बारिश होने की वजह से यमुना के जलस्तर में बढौतरी हुई है। जिस वजह से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी बढ गया है। अब सुंदर ग्रुप की नहरों में 1550 क्यूसेक पानी बह रहा है। जिनमें से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 531, मिताथल में 351 तथा जुई फीडर में 661 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

सूचना

मै राजपाल पुत्र स्व. प्रताप सिंह निवासी गोलागढ़ तहसील व जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र नवीन कुमार व उसकी पत्नी मोनिका मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

भिवानी लोहा एसोसिएशन की बैठक में विचार विमर्श करते पदाधिकारी व सदस्य।

देवेन्द्र गुप्ता बने भिवानी लोहा एसोसिएशन के प्रधान

भिवानी। हांसी रोड स्थित निजी गार्डन में भिवानी लोहा एसोसिएशन की मीटिंग हुई। मीटिंग में एसोसिएशन के कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया, जिसके बाद देवेंद्र गुप्ता को भिवानी लोहा एसोसिएशन का प्रधान चुना गया। वहीं उपप्रधान राजेंद्र शर्मा, सचिव अजय गोयल, सहसचिव राजेश सिंगला व कोषाध्यक्ष अजय जिंदल तथा मीडिया कोऑर्डिनेटर अंशुल लोहिया को नियुक्त किया। लोहा व्यापारी अंशुल लोहिया ने बताया कि कम कीमत पर ग्राहकों को अच्छा माल उपलब्ध करवाना एसोसिएशन का उद्देश्य है।

जिला बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित उपप्रधान रेणुबाला सैनी को सम्मानित करते सैनी कल्याण परिषद के सदस्य।

बार एसो. की उपप्रधान रेणु बाला सम्मानित

भिवानी। नेहरू पार्क के सामने सैनी धर्मशाला में रविवार को सैनी कल्याण परिषद द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के प्रधान भूप सैनी ने की। इस दौरान उपस्थित सभी ने नवनिर्वाचित उपप्रधान रेणुबाला सैनी को फूल-माला पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के प्रधान भूप सैनी, पूर्व प्रधान जगदीश, ओमप्रकाश, शिक्षाविद् राजकुमार सैनी, अधिवक्ता कृष्णचंद्र सहवाल व संगीता रंगा ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा व खेल के साथ-साथ राजनीति के क्षेत्र में भी बढ़-चढ़कर आगे आ रही है, जिसका उदाहरण रेणुबाला सैनी है। उन्होंने कहा कि रेणुबाला पहली बार चुनाव लड़ते ही उपप्रधान निर्वाचित हुई है।

अच्छे-बुरे कर्मों का फल हमें ही भुगतना है, इसलिए नेक कर्म करें: संत जोशी

- संसार में सभी अपने, पराया कोई नहीं: संत प्रकाश
- रेलवे रोड स्थित प्रेक्षा विहार में निरंकारी सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रेलवे रोड पर स्थित प्रेक्षा विहार में संत निरंकारी मिशन द्वारा विशाल निरंकारी सत्संग का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुम्बई से पधारे महान संत प्रकाश जोशी ने की। इस अवसर पर विधायक धनश्यामदास सर्राफ, नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह एवं अनेक गणमान्य नागरिकों के साथ अन्य प्रभु प्रेमी एवं निरंकारी श्रद्धालु उपस्थित थे। जोशी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को फरमाया कि संसार में सभी अपने हैं, कोई पराया नहीं है, क्योंकि हम सभी एक प्रभु की सन्तान है और किसी न किसी रूप में परमात्मा की भक्ति कर रहे हैं। जोशी ने फरमाया कि भक्ति में श्रद्धाभाव प्रधान होता है, अच्छे-बुरे कर्मों का फल हमें भुगतना पड़ता है, इसलिए नेक कर्म करें क्योंकि जब प्रभु के समक्ष उपस्थित हो तो हमारे अच्छे कर्मों का परिणाम सामने आए। मुम्बई से पधारे गीतकार योगेश ने गफलत में सोने वाले, क्यों तू खुद से बेखबर है, फिर ये जन्म मिलता नहीं दोबारा भावपूर्ण भजन सुनाया। कार्यक्रम में बोलते हुए विधायक धनश्यामदास सर्राफ ने सत्गुरू माता सुदीक्षा महाराज का आभार व्यक्त करते हुए संत निरंकारी मिशन के कल्याणकारी कार्यों की सराहना की।

भिवानी। प्रेक्षा विहार में निरंकारी सत्संग कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक धनश्यामदास सर्राफ तथा मंचासीन संत प्रकाश जोशी व प्रेक्षा विहार में निरंकारी सत्संग में प्रवचन सुनते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

भक्ति से जीवन सार्थक बनता है

सदगुरू माता सुदीक्षा महाराज का यही आह्वान है कि जिस प्रभु परमात्मा की हम भक्ति कर रहे हैं, उसकी पहचान करके भक्ति की जाये तो जीवन सार्थक है। उन्होंने आगे समझाया कि युगों-युगों से हमारे पीर-पैगम्बरों ने धार्मिक ग्रंथों में यही अनुभव दर्ज किए हैं, जैसा कि भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवत गीता में फरमाया है कि मैं हर युग में धर्म की स्थापना के लिए अवतरित होता हूं। परमात्मा को जानकर दुनिया में रहकर अनासक्ति भाव से युक्त होकर परमात्मा द्वारा दी गई चीजों का उपयोग कर अपने कर्मों को परमात्मा को समर्पित कर हमेशा परमात्मा से अपना नाता जोड़े रखें तो भक्ति फलदायक होती है। उन्होंने कहा कि संसार के प्रति जितना ज्यादा असाक्ति उतना ज्यादा दुःख होता है, इसलिए अनासक्ति भाव से युक्त होकर ही परमात्मा में अपने मन की लगन लगाएं।

खरकड़ी सौहान में पत्थरों से भरे डंपर पलटने के बाद गुस्साए ग्रामीण

ओवरलोड डंपरों बंद करवाने की मांग को लेकर तोशाम-जूई रोड पर जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

शनिवार को गांव खरकड़ी सौहान में पत्थरों से भरे डंपर पलट जाने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ओवरलोड़ डंपरों को बंद करवाने की मांग को लेकर रविवार को गांव खरकड़ी के ग्रामीणों ने तोशाम जुई मार्ग पर जाम लगा दिया। रविवार को क़रीबन साढ़े 11 बजे एसडीएम अश्वीर नैन के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला। उल्लेखनीय है कि शनिवार को गांव खरकड़ी सौहान में ओवरलोड़ पत्थरों से भरे डंपर पलट गया था। जिसके बाद ग्रामीण बहुत ज्यादा गुस्से में थे। ग्रामीणों ने ओवरलोड़ डंपरों को बंद करवाने की मांग को लेकर तोशाम जुई मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना था की दिन में सौ से ज्यादा ओवरलोड डंपर गांव से होकर गुजरते हैं। ओवरलोड डम्परों से कई बार छोटे बड़े पत्थर भी सड़क पर गिर चुके है। जिससे कई वाहन चालक भी चोटिल हो चुके है। ग्रामीणों ने बताया कि ओवरलोड डम्परों की आवाजाही की वजह से सड़कों की रोड़ियां भी बिखरने लगी है। वाहनों में ज्यादा वजन होने की वजह से सड़क भी धंसने लगी है। ऐसे में हमेशा दुर्घटना घटने की आशंका बनी रहती है। जिससे ग्रामीणों में भय बना रहता है। ग्रामीण काफी प्रशासन को इसके लिए अवगत करवा चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

तोशाम। जाम में फंसे वाहन व जाम लगा रहे लोगों को समझाती पुलिस।

फोटो :हरिभूमि

आवागमन बाधित रहा

शनिवार को खरकड़ी सोहान में सड़क पर एक ओवरलोड डंपर गांव में पलट गया। हालांकि जिस वक्त डम्पर पलटा। उस वक्त डम्पर के आगे व पीछे कोई वाहन नहीं था,अगर वाहन होता तो जान व माल का नुकसान होना लाजिमी था। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से बच गया। अभी भी डम्पर सड़क के बीच में ही पड़ा है। जिससे वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित हो रहा है।

आश्वासन के बाद खोला

सुबह दस बजे गांव के लोग तोशाम जुई मार्ग पर उतर आए। लोगों ने लकड़ी व पत्थर डालकर वाहनों को रोकना आरंभ कर दिया। जाम लगने के कुछ देर बाद मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी लंबी कतारे लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों से जाम हटाने के लिए कहा,लेकिन प्रदर्शनकारी अधिकारियों के आने की बात पर अड़ गए। बाद में जाम की सूचना के बाद एसडीएम मौक पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शीघ्र उनकी मांगों को पूरा करवाए जाने का आश्वासन दिया। क़रीबन साढ़े 11 बजे एसडीएम अश्वीर नैन के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला। तब जाकर प्रदर्शनकारी शांत हुए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर ओवरलोड वाहनों पर नकेल नहीं कसी गई तो वे फिर से उक्त सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे।

भिवानी। सिटी बस चलाने एवं अवैध कब्जे हटवाने की मांग करते भारत माता सेवा मंडल के पदाधिकारी व सदस्य।

सिटी बस चलाने, सड़कों से कब्जे हटाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारत माता सेवा मंडल के पदाधिकारियों की बैठक एमसी कॉलोनी स्थित सेंट्रल पार्क में शहर में सिटी बस सेवा चलाने और सड़कों के दोनों तरफ हो रहे कब्जों को हटाने की मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल उपाध्यक्ष धर्मवीर दहिया ने की।

मंडल के अध्यक्ष ठाकुर पदमसिंह चौहान व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष छाबड़ा, सुमेर सैनी संगठन मंत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि नागरिकों की मांग की कि बस स्टैंड से भिवानी जंक्शन, सरकुलर रोड और सिटी रेलवे स्टेशन तक बसें चलाई जाए। उन्होंने कहा कि पैदल यात्री की सुविधा और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों के दोनों तरफ हो रहे कब्जों से भी नागरिकों को मुक्ति दिलाई जाए। सिटी बस सेवा चलाने पर भिवानी निवासियों के धन, समय की बचत होगी और सुरक्षा की गारंटी भी मिलेगी। हमारी प्रशासन से मांग है कि तुरंत हमारी मांगों पर पूरा किया जाए, ताकि सभी नागरिकों को लाभ मिल सके। मांग का समर्थन करने वालों में मुख्यरूप से नगर मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र परमार, मुरारीलाल शर्मा, वेदप्रकाश तंवर, रामलाल सुखीजा, राजेंद्र कुमार शर्मा, दीपक दिनोदिया, अशोक कुमार जूसवाला, प्रेम मेहता, महावीर प्रसाद तनेजा व रामेश्वर दास उपस्थित थे।

गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता नुक्कड़ सभा आयोजित

तोशाम। श्रीमद् भागवत गीता जीवन में सच्चाई व अच्छाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। श्रीमद् भागवत गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जिसके उपदेशों को यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अपना ले तो एक सभ्य एवं संस्कारवान समाज की स्थापना की जा सकती है। गीता के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गोदारा के नेतृत्व में श्रीमद् भागतव गीता पढ़ो-पढ़ाओ अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर जागरूकता नुक्कड़ सभाएं कर लोगों को इस बारे जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को गांव हसान में जागरूकता नुक्कड़ सभा आयोजित कर गीता के महत्व से ग्रामीणों को अवगत करवाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को गीता की पुस्तकें भी भेंट की गई। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के प्रचार मंत्री मा. रघबीर भेरा ने कहा कि इस समय समाज अपनी मान्यताओं एवं परंपराओं से दूर होता जा रहा है, जिससे हमें बहुत सी सामाजिक समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने कहा कि आज प्रत्येक जन को अपनी मूल संस्कृति के महत्व को समझते हुए सामाजिक मान्यताओं एवं परंपराओं के विपरीत जाना बंद करना होगा। उन्होंने कहा कि इन दिनों समाज में परिजनों की सहमति बगैर शादी व लिव इन रिलेशनशिप जैसे समाज विरोधी कार्यों का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, जो कि समाज के विघटन का कारक है। ऐसे में समाज को तोडने वाली ऐसी प्रथाओं के खिलाफ सभी को एकजुटता दिखानी होगी।

जताई में युवाओं ने चलाया सफाई अभियान

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा, भिवानी के गांव जताई में युवाओं ने मिलकर रविवार को सफाई अभियान चलाया। युवाओं ने धानका मोहल्ले में वर्षों से अटे नाले को साफ़ किया। युवाओं ने सामुहिक रूप से बताया कि पानी की निकासी के लिए नाले बनाएं गए थे। किंतु आज तक सफाई नाहोने के कारण नाले बंद गए और पानी रोड़ पर आने लगा। ग्राम पंचायत ने भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया तो युवाओं ने खुद नाले में सफाई करने का फैसला किया। बाबुलाल व अनिल ने कहा कि खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी झाड़ू उठाकर सफाई करते हैं तो सफाई करने में शर्म क्या है। उन्होंने बताया कि गर्मी का मौसम आने को है उससे पहले ही सफाई करले ताकि मक्खी मच्छर ना पनपने पाएं। अगर साफ सफाई नहीं होगी तो खतरनाक बीमारी फैलने का खतरा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की कोशिश रहेगी कि वह हर महीने सफाई अभियान चलाएं।

भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह किया

- विधायक घनश्याम सर्राफ ने धर्मशाला निर्माण के लिए की 51 लाख दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ढ़ाणा रोड़ पर निर्माणाधीन महाराजा अजमीढ़ धर्मशाला का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की तथा श्रीमैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समिति रजि. के प्रधान नरेंद्र सिंह छपारिया ने की तथा संचालन महासचिव सुभाष सोनी महायच व संरक्षक विनोद छपारिया ने किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यअतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ ने महाराजा अजमीढ़ धर्मशाला का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस दौरान विधायक ने धर्मशाला निर्माण के लिए 51 लाख रूपये भी देने की घोषणा की। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि धर्मशाला किसी भी समाज के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सामाजिक केंद्र भी होती है। जहां पर सामाजिक कार्य करने के लिए लोग एकजुट होते है तथा वह कार्यक्रम सामाजिक एकता व भाईचारे को मजबूती प्रदान करते है। इसके अलावा धर्मशालाओं में समाजहित में किए जाने वाले कार्यों की चर्चा भी विस्तारपूर्वक होती है, जिससे सामाजिक सेवा का भाव भी लोगों में उत्पन्न होते है। विधायक ने कहा कि धर्मशालाओं का निर्माण परोपकार में योगदान देता है।

भिवानी। शिलान्यास करवाते विधायक घनश्याम सर्राफ।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

स्वास्थ्य की जांच शिविर में, 27 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने सामाजिक सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए गांव बधवाना व चांगरोड़ की सार्वजनिक चौपाल में शिविर लगाया। शिविर में मुख्यतिथि के रूप में वीरभान यादव व चंद्रपाल यादव ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। इस अवसर पर एम्स बाढ़सा, रोग निदान व आईक्यू के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम डॉ. प्रीति, डॉ. स्वाती, डॉ. संतोष और हृदय नारायण चतुर्वेदी ने निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में 178 लोगों की आंखों की जांच की, जिनमें से 23 लोगों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया, जिनका ऑपरेशन संगठन द्वारा निःशुल्क करवाया जाएगा। वहीं नौ लोगों ने मरणोपरांत नेत्रदान करने की शपथ ली, जिससे भविष्य में दृष्टिहीन लोगों को रोशनी प्रदान की जा सकेगी। शिविर में 27 यूनिट रक्त एकत्रित किया।

ओलावृष्टि से नुकसान की सरकार करवाएं गिरदावरी

भिवानी। गत दिवस हुई ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी। ओलावृष्टि ने रबी की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया। ओलावृष्टि के कारण किसानों की गेहूं, जौ, व सरसों की फसल में काफी नुकसान हुआ हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि किसानों को आर्थिक समस्या को समझते हुए ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की जल्द से विशेष गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित मुआवजा दें। अधिवक्ता मुकेश ढ़ाणीमाहु ने सरकार से मांग की कि किसानों के लिए फसल ही उनकी सालभर की आय का साधन है। ओलावृष्टि के कारण फसल खराब होने से उनकी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई है, ऐसे में सरकार को चाहिए कि वे किसानों की आर्थिक स्थिति को समझते हुए तुरंत प्रभाव से विशेष गिरदावरी के आदेश दें, ताकि समय रहते किसानों को मुआवजा मिल सकें तथा वे अपनी अगली फसल के लिए तैयारी कर सकें।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कार्यक्रम

श्रीबालाजी स्कूल मे पहली मिक्स जूनियर नेटबॉल नेशनल चैंपियनशिप संपन्न

नेटबॉल में हरियाणा की टीम ने पुंडूचेरी को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल मे हुई दो दिवसीय पहली मिक्स जूनियर नेटबॉल नेशनल चैंपियनशिप रविवार को संपन्न हो गई। चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न राज्यों की 22 टीमों ने हिस्सा लेते हुए बेहतरीन खेल प्रदर्शन किया। एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि हरियाणा ने पुंडुचेरी की टीम को 34-28 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं दिल्ली ने केरला की टीम को 24-22 के अंतर से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रकार दूसरे नंबर पुंडुचेरी तथा चौथे नंबर पर केरला की टीम रही।प्रतियोगिता के समापन पर बतौर मुख्यतिथि नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया ने शिरकत की। तथा विशिष्ट अतिथि स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा, चंडीगढ़ नेटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास शर्मा, नेटबॉल एसोसिएशन भिवानी के अध्यक्ष पवन कौशिक, टूर्नामेंट कमेटी के कन्वीर लक्ष्मण, टैक्नीकल कमेटी चेयरमैन अशोक आनंद, टैक्नीकल कमेटी कन्वीर विक्रमादित्य पहुंचे।

अतिथियों ने कहा कि युवाओं के लिए जितनी जरूरी शिक्षा है, उतने ही महत्वपूर्ण खेलों में भागीदारी भी है, क्योंकि खेल शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने का सर्वोत्तम माध्यम है।

भिवानी। अतिथियों के साथ विजेता टीम।

कारीदास प्राथमिक पाठशाला में मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

चरखी दादरी। एचडीएफसी बैंक व अंबुजा फाउंडेशन संस्थाओं द्वारा गांव कारी दास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल इंचार्ज अनिल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मेधावी बच्चों को सम्मानित किया। आयोजन में बतौर मुख्यतिथि महिला सरपंच शीला देवी व अंबुजा फाउंडेशन प्रोजेक्ट ऑफिसर शबनम बानो ने शिरकत की। मुख्य अध्यापक नसीब सिंह सांगवान ने बताया कि वर्षभर पढ़ाई सहित खेलकूद व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन से बच्चों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। दूसरे बच्चे भी पढ़ाई व खेल में कड़ी मेहनत करेंगे। मास्टर सुंदरपाल फौगाट ने कहा कि नन्हें मुन्नों को अगर हम नियमित अंतराल पर प्रोत्साहित करते है तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।